# इंस्पेक्शन इन-चार्ज से इंस्पेक्ट किये जाने वाले पार्ट का विवरण लें|

# इंस्पेक्ट किये जाने वाले पार्ट के बिन के टैग के अनुसार इंस्पेक्ट किये जाने वाले पैरामीटर के अनुसार वर्क इंस्ट्रक्शन को देखें|

# वर्क इंस्ट्रक्शन के अनुसार पार्ट का इंस्पेक्शन करें|

# खराब पार्ट्स को लाल बिन में रखें|

# इंस्पेक्शन के बाद ख़राब पार्ट का विवरण डिफेक्ट मोनिटरिंग शीट में दर्ज करें|

# सही पार्टस के बिन में ओ के टैग लगा कर रखें|

# रेड बिन एनालिसिस - ख़राब पार्ट्स को प्रति दिन लाइन इन-चार्ज की सहायता से आगे बढ़ाएं| यदि रिवर्क होना है तो प्रोडक्शन को दें, अन्यथा स्क्रैप नोट बना कर स्क्रैप यार्ड में डालें|